भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
30.07.2014 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 2814

परमाणु रिएक्टरों का प्रतिकूल प्रभाव

2814. श्रीमती मौसम नूर:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को परमाणु रिएक्टरों के समीप स्थित गांवों और क्षेत्रों में जन्मजात विकलांगता और कैंसर जैसे रोगों के साथ बच्चों के जन्म लेने संबंधी रिपोर्टों की जानकारी है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस मामले में सक्षम प्राधिकारी से रिपोर्ट मांगी है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हाँ।

(ख) ये रिपोर्टें, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के ज्ञात मामलों और आस-पास के क्षेत्र में नाभिकीय सुविधाओं की मौजूदगी के साथ उनके संबंध का अध्ययन करने के बारे में किसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित नहीं हैं।

भारत में प्रचालनरत प्रत्येक नाभिकीय विद्युत संयंत्र में विकिरण के काफी निकट काम करने वाले कर्मचारियों और उनके परिवारों के संबंध में स्वास्थ्य संबंधी अध्ययन करने के लिए जानपदिक रोग विज्ञान सर्वेक्षण, टाटा स्मारक केन्द्र (टीएमसी), मुंबई, जोकि देश का एक अग्रणी कैंसर अनुसंधान केन्द्र है, के सहयोग से नामी स्थानीय मेडिकल कालेजों द्वारा किए गए हैं, जिनमें कैंसर के मामलों और जन्मजात असामान्यताओं की घटनाओं पर मुख्य रूप से जोर दिया गया है। इन वैज्ञानिक अध्ययनों से इस बात की पुष्टि हुई है कि भारतीय नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में विकिरण के निकट काम करने वाले कर्मचारियों के बीच कैंसर संबंधी रूग्णता, जन्मजात दोष अथवा अन्य किसी बीमारी के मामलों में, राष्ट्रीय औसत की तुलना में, कोई वृद्धि नहीं हुई है।

इन अध्ययनों से यह पता चला है कि कैगा और राजस्थान में, जिन बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई थी, उनमें जन्मजात अपंगता की विद्यमानता क्रमश: 1000 जीवित बच्चों में से 9.9, और 1000 जीवित बच्चों में से 3.0 है। यह विद्यमानता राष्ट्रीय जन्मजात अपंगता दर , जो 1000 जीवित बच्चों में से 30 है, की तुलना में अपेक्षाकृत काफी कम है।

जहां तक कैंसर के मामलों का संबंध है, कलपाक्कम के निकटवर्ती गांवों में एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा हाल ही में किए गए एक सीमित सर्वेक्षण से भी यह पता चला है कि, उन गांवों में कैंसर के मामले देश के अन्य भागों की तुलना में बहुत कम पाए गए हैं।

(ग) तथा (घ) ऊपर बताई गई स्थिति के मद्दे नजर ये प्रश्न ही नहीं उठते।

****